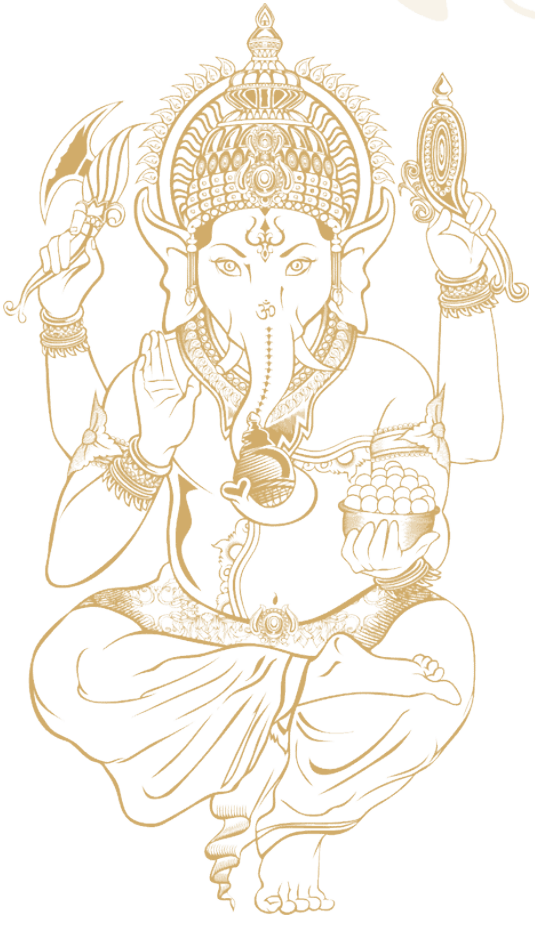

Bhavana Sharma

28 Aug 2001

04:15 AM

Railmagra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121357704

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**27-28/08/2001**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**04:15:00 घंटे**
इष्ट	55:06:29 घटी
स्थान	**Railmagra**
राज्य	Delhi
देश	India

अक्षांश	25:01:17 उत्तर
रेखांश	74:06:51 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:33:33 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:41:27 घंटे
वेलान्तर	-00:01:33 घंटे
साम्पातिक काल	02:06:23 घंटे
सूर्योदय	06:12:24 घंटे
सूर्यास्त	18:57:15 घंटे
दिनमान	12:44:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	10:50:23 सिंह
लग्न के अंश	14:09:32 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	प्रीति
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगिता
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	14:09:32	313:14:26	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	---
सूर्य			सिंह	10:50:23	00:57:56	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
चंद्र			धनु	05:28:12	12:16:51	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	सम राशि
मंगल			धनु	00:33:06	00:25:55	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	मित्र राशि
बुध			सिंह	29:53:36	01:34:23	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	मित्र राशि
गुरु			मिथु	15:23:04	00:10:21	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	07:02:34	01:11:21	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
शनि			वृष	20:17:07	00:03:09	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	मित्र राशि
राहु			मिथु	10:46:44	00:00:27	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु			धनु	10:46:44	00:00:27	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	28:29:48	00:02:19	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप	व		मक	12:46:13	00:01:23	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	18:40:08	00:00:09	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			मेष	09:57:38	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:32

लग्न-चलित

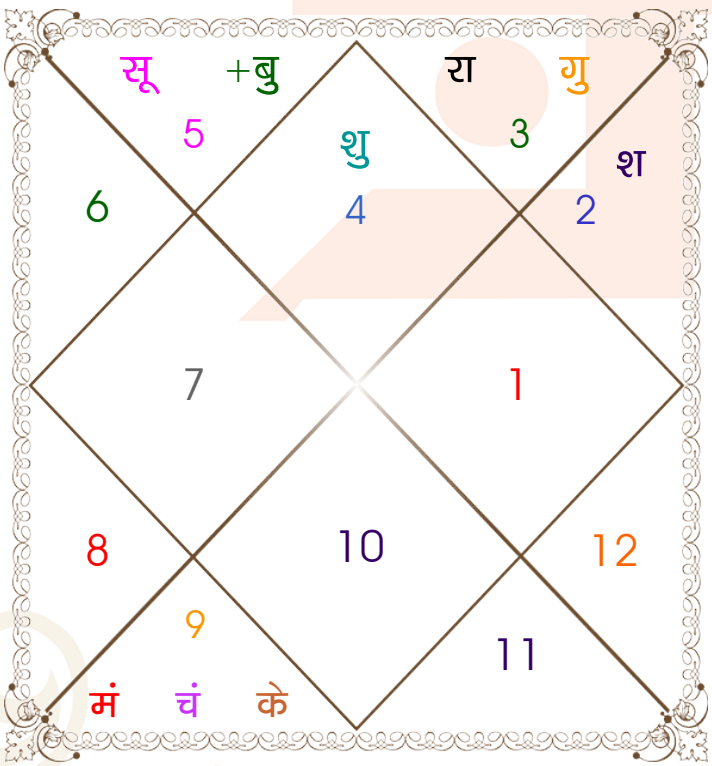

चन्द्र कुंडली

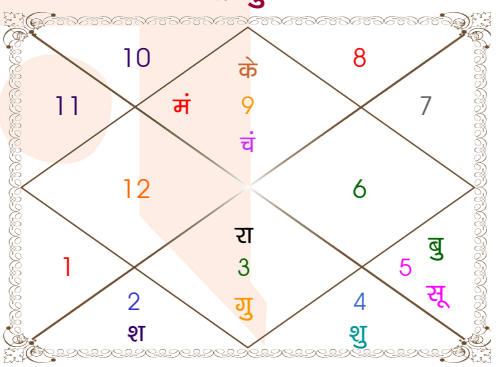

नवमांश कुंडली

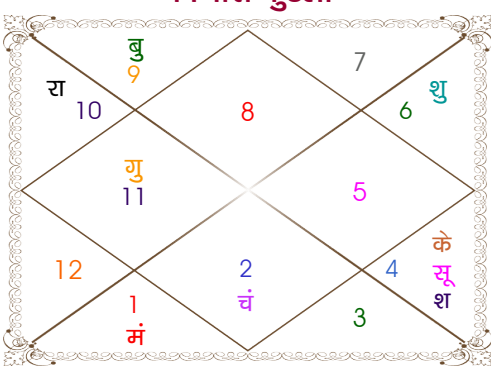

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 1 मास 16 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
28/08/2001		14/10/2005		14/10/2025		14/10/2031		14/10/2041	
14/10/2005		14/10/2025		14/10/2031		14/10/2041		13/10/2048	
	00/00/0000	शुक्र	12/02/2009	सूर्य	31/01/2026	चंद्र	13/08/2032	मंगल	12/03/2042
	00/00/0000	सूर्य	12/02/2010	चंद्र	02/08/2026	मंगल	14/03/2033	राहु	30/03/2043
	00/00/0000	चंद्र	14/10/2011	मंगल	08/12/2026	राहु	13/09/2034	गुरु	05/03/2044
	28/08/2001	मंगल	13/12/2012	राहु	01/11/2027	गुरु	13/01/2036	शनि	14/04/2045
मंगल	13/09/2001	राहु	14/12/2015	गुरु	19/08/2028	शनि	14/08/2037	बुध	11/04/2046
राहु	02/10/2002	गुरु	14/08/2018	शनि	01/08/2029	बुध	13/01/2039	केतु	07/09/2046
गुरु	07/09/2003	शनि	14/10/2021	बुध	08/06/2030	केतु	14/08/2039	शुक्र	07/11/2047
शनि	16/10/2004	बुध	13/08/2024	केतु	14/10/2030	शुक्र	14/04/2041	सूर्य	14/03/2048
बुध	14/10/2005	केतु	14/10/2025	शुक्र	14/10/2031	सूर्य	14/10/2041	चंद्र	13/10/2048

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
13/10/2048		14/10/2066		14/10/2082		15/10/2101		15/10/2118	
14/10/2066		14/10/2082		15/10/2101		15/10/2118		00/00/0000	
राहु	26/06/2051	गुरु	01/12/2068	शनि	17/10/2085	बुध	12/03/2104	केतु	13/03/2119
गुरु	19/11/2053	शनि	14/06/2071	बुध	26/06/2088	केतु	09/03/2105	शुक्र	12/05/2120
शनि	25/09/2056	बुध	19/09/2073	केतु	05/08/2089	शुक्र	08/01/2108	सूर्य	17/09/2120
बुध	14/04/2059	केतु	26/08/2074	शुक्र	04/10/2092	सूर्य	14/11/2108	चंद्र	18/04/2121
केतु	02/05/2060	शुक्र	26/04/2077	सूर्य	16/09/2093	चंद्र	15/04/2110	मंगल	29/08/2121
शुक्र	03/05/2063	सूर्य	12/02/2078	चंद्र	17/04/2095	मंगल	12/04/2111		00/00/0000
सूर्य	26/03/2064	चंद्र	14/06/2079	मंगल	26/05/2096	राहु	30/10/2113		00/00/0000
चंद्र	25/09/2065	मंगल	20/05/2080	राहु	02/04/2099	गुरु	05/02/2116		00/00/0000
मंगल	14/10/2066	राहु	14/10/2082	गुरु	15/10/2101	शनि	15/10/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 1 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ वृश्चिक राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि में ही द्रेष्काण उदित था। आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आपका जीवन उज्जवल एवं फलदायक है। परन्तु आपके स्वास्थ्य से सम्बंधित कतिपय सतर्कतापूर्ण निर्देश प्राप्त होते हैं।

प्रायः कर्क राशीय प्रभाव से आप शारीरिक रूप से बाल्यावस्था में सुकुमार रहेंगे। बल्कि आयु वृद्धि के साथ-साथ आपकी शारीरिक अभिवृद्धि भी होगी तथा शारीरिक स्थिति में सुधार संभव है। तथापि वृश्चिक नवमांश के प्रभाव से आप दुःसाहसिक कदम उठाएंगी। फलस्वरूप आप कतिपय रोगों से आक्रान्त हो सकती हैं। उत्तम तो यह है कि आपका पाचन क्रिया के कारण कुष्ठ रोगादि उत्पन्न होने के पूर्व ही सतर्कता अपनाना ठीक है। आप सतत ही सन्धिवात अर्थात् गाँठ के दर्द (गठिया) वाय, अलसर, गौस्टिक रोग एवं नितम्ब बेदना रोग उत्पन्न होने के प्रति रक्षित रहें। आप उत्तम स्वास्थ्य लाभ हेतु नियमितता बनाए रखें तथा अधिक भोजन करने की आदत पर नियंत्रण रखें।

आप बहुत धनोपार्जन करेंगी तथा आपके पास धन कोष पर्याप्त रहेगा। यह सुनिश्चित है, जबकि आप एकाग्रचित होकर स्वतः अपने कार्य उद्देश्य के सफलता की प्राप्ति हेतु दृढ़तापूर्वक प्रयासरत रहें। आपके जीवन का भाग्यशाली समय 36 वर्ष की आयु से प्रारम्भ होगा। आप अपनी अति अभिलाषा पर नियंत्रण रखें तथा अपने उद्देश्य को कार्यरूप दें। आप में ऐसा गुण विद्यमान है कि आप विश्वसनीयता पूर्वक कार्य सम्पादन करेंगी। आप मंत्रि पद एवं उच्च कार्यकारी पदाधिकारी पद पर आसीन हो सकती हैं। बशर्ते कि विश्वास पूर्वक अपनी प्रतिष्ठा को सम्मान जनक बना सकें। आपके लिए व्यवसाय जल से सम्बंधित कार्य है। यथा तटबन्ध, नहर-सिचाई, कृषि एवं जहाजरानी सम्बंधी कार्य अनुकूल होंगे।

आप जनसामान्य हेतु ज्योतिषीय कार्य अर्थात् भविष्यवक्ता, शिक्षण कार्य आदि आध्यात्मिक व्यवस्था को पसन्द करती हैं। क्योंकि आपने विश्वसनीयता पूर्वक आध्यात्मिक ज्ञान का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आपकी उच्चाकांक्षा है कि आप दर्शनीय तीर्थस्थानों का भ्रमण कर, लोक कल्याणकारी कार्य प्रस्तुत करेगी। आपमें यह गुण विद्यमान है कि बहुसंख्यक प्राणी आपकी विश्वसनीयतापूर्ण आध्यात्मिक समर्पण की प्रशंसा करेंगे। आप विश्वसनीयता को प्राथमिकता देकर प्रशंसित व्यवसाय करेंगे तथा सदैव आपका व्यवहार जनसाधारण द्वारा प्रशंसित रहेगा।

आप उच्च कोटि की भावुक स्त्री हैं। आप अपने परिवार के साथ पूर्णतः सम्बंधित रहेगे। आप अपनी पति के पूर्ण स्नेह प्रदान करने के लिए तत्पर रहकर अपने पारिवारिक सदस्यों की उन्नति और सुधार के लिए त्याग करेंगी। तथापि आप अपनी आश्चर्यजनक उत्तेजनात्मक प्रवृति को नियंत्रित करने के अभ्यास का आचरण करें। इसमें सन्देह नहीं कि आप सदैव शान्त रहती हैं, तथापि शीघ्रतापूर्वक पुनः समत्वबुद्धि (धैर्य) धारण कर लेते है। परन्तु इस प्रवृति का

दृश्यान्त आंशिक हानिप्रद होता है। अतः आप इस बेसुधपना को अनिवार्य रूप से शान्ति पूर्ण बना लें तथा निश्चिततापूर्वक विश्राम ग्रहण करें।

आप अपने स्तर के बहुसंख्यक मित्र अपनी यात्रा क्रम में बनाएंगी। आपकी अभिलाषा है कि आपका मित्रतापूर्ण संबंध शुभकांक्षाओं से युक्त एवं विश्वास जनक हो। आप अपने मित्रों के साथ आमोद-प्रमोद युक्त आनन्द एवं प्रीति मिलन मुक्तहस्त से अपने आवास पर उदारतापूर्ण आनन्द प्राप्त करेंगी।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए अंक, 4 एवं 6 अंक भाग्यशाली प्रमाणित होगा एवं अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त है। आपके लिए रंग ब्लू एवं हरा रंग उपयुक्त नहीं अस्तु आपके लिए लाल, पीला, सफेद एवं क्रीम रंग फलदायक प्रतीत होता है।